Dainik Bhaskar (Indore), 19th January 2026, Page- 09

GLOBAL CONNECT

हर साल करीब 200 इंटरनेशनल प्रोजेक्ट पर एकसाथ हो रहा काम

आईआईटी इंदौर बन रहा ग्लोबल रिसर्च पार्टनर

36 देश के साथ मिलकर कर रहे रिसर्च

सिटी रिपोर्टर • इंदौर

आईआईटी इंदौर ग्लोबल स्तर पर अपनी पहचान लगातार मजबूत कर रहा है। दुनिया की नामी यूनिवर्सिटी के साथ एमओयू की संख्या बढ़ रही है। अब संस्थान का फोकस पूरी तरह रिसर्च और इनोवेशन पर है। इसी कड़ी में हाल ही में आईआईटी ने ताइवान की टॉप यूनिवर्सिटीज नेशनल सन यात-सेन, नेशनल इलान, नेशनल ताइपे, यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी और नेशनल यांग मिंग चियाओ तुंग के साथ एमओयू किए हैं। इन समझौतों के बाद आईआईटी के स्टूडेंट्स, रिसर्च स्कॉलर और प्रोफेसर विदेश के कई विश्वविद्यालय के साथ मिलकर ग्लोबल लेवल की रिसर्च कर सकेंगे। इसके तहत सेमेस्टर एक्सचेंज, इंटरनेशनल लैब का उपयोग और नई टेक्नोलॉजी का आदान-प्रदान भी होगा। स्टूडेंट्स को पढ़ाई के दौरान ही विदेश की यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करने और दुनिया की आधुनिक लैब्स में काम करने का मौका भी मिलेगा।

यूएस, यूरोप और ताइवान से जुड़े

आईआईटी इंदौर पहले से ही इंटरनेशनल रिसर्च नेटवर्क का सक्रिय हिस्सा रहा है। संस्थान के प्रोफेसर और शोधकर्ता अब तक अमेरिका, यूरोप, जापान और ताइवान सहित 36 से ज्यादा देशों के वैज्ञानिकों के साथ मिलकर काम कर चुके हैं। कुछ वर्षों में आईआईटी से जुड़े कई रिसर्च पेपर इंटरनेशनल जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। हर साल 200 से ज्यादा इंटरनेशनल रिसर्च प्रोजेक्ट संस्थान के साथ जुड़ रहे हैं।

125 से ज्यादा एमओयू

आईआईटी में ऐसी रिसर्च की जा रही है जो सीधे आम लोगों की जिंदगी से जुड़ी है। एआई और डेटा टेक्नोलॉजी, हेल्थ और मेडिकल टेक्नोलॉजी, मौसम और जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा और ई-व्हीकल जैसे विषयों पर रिसर्च की जा रही है। विदेशों से प्रोफेसर, रिसर्च स्कॉलर और छात्र इंदौर आ रहे हैं। इससे यहां इंटरनेशनल सेमिनार, वर्कशॉप और कॉन्फ्रेंस हो रहे हैं और इसका असर होटल, ट्रांसपोर्ट, लोकल सर्विस सेक्टर और स्टार्टअप इकोसिस्टम पर भी मिल रहा है। आईआईटी इंदौर अब तक दुनिया की 125 से ज्यादा विदेशी यूनिवर्सिटीज और रिसर्च संस्थानों के साथ एमओयू कर चुका है। इनमें 36 देश शामिल हैं।